पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2021-23 प्रकाशित 16.04.2023 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

आओ तपोवन देहरादून

वैदिक तपोवन आश्रम देहरादून का ग्रीष्मकालीन उत्सव दिनांक 10 मई से 14 मई 2023 तक आयोजित किया जा रहा है। दिल्ली से **समापन समारोह हेतु शुक्रवार 12 मई रात 10 बजे** दो ए.सी. बसों की व्यवस्था की है। जिसका प्रति सीट किराया 1000/– रूपया रहेगा।

सीट बुकिंग हेतुः–

प्रवीण आर्य –9911404423,
अरुण आर्य–9818530543,
सोनिया संजू–9643875121,
अनिल आर्य–9868051444

वर्ष-39 अंक-22 बैसाख-2080 दयानन्दाब्द 200 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2023 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.04.2023, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

हरियाणा प्रान्तीय आर्य सम्मेलन जींद में सम्पन्न

युवा पीढ़ी को महर्षि दयानन्द की विचारधारा से प्रेरित किया जाएगा–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार 2 अप्रैल 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद हरियाणा के तत्वावधान में महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200वीं जयन्ती के उपलक्ष्य में 'हरियाणा प्रान्तीय आर्य सम्मेलन' मोती लाल नेहरू स्कूल अर्बन एस्टेट जींद में सोल्लास संपन्न हुआ। हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों से आर्य प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती जी की 200 वीं जयन्ती पर परिषद् देश भर में युवाओं को स्वामी जी की विचारधारा से जोड़ने के लिए अभियान चलायेगी। आगामी ग्रीष्मावकाश में अनेकों युवा चरित्र निर्माण शिविर लगाए जाएगे।महर्षि दयानन्द महान क्रांतिकारी थे उन्होंने वैचारिक क्रांति का शंखनाद किया और लोगों की सोचने की दिशा ही बदल डाली।उन्होंने तर्क की कसौटी पर हर चीज को कसा।उनसे प्रेरणा लेकर हज़ारों नौजवान आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।आज उनके जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।उन्होंने महर्षि दयानन्द का सन्देश आम जन तक पहुचाने का आह्वान किया। विधायक कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि आधुनिक युग की महान विभूति महर्षि दयानंद द्वारा स्थापित आर्य समाज का योगदान देश की आजादी में सर्वाधिक था,उन्होंने भारतवर्ष की धार्मिक,सामाजिक और राष्ट्रीय बुराइयों को दूर करने के लिए जो अजेय शक्ति के प्रभाव से सुधारात्मक कार्य किए उनको मानव जाति एक चिरस्मरणीय रखेगी। जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण दहिया ने कहा कि महर्षि दयानंद ने जो कुछ जाना था या सुना था उसको सत्य की कसौटी पर परखा, इसलिए उनका ज्ञान उच्च कोटि का तथा परमोप्रभाव उत्पादक बन सका। हमने ऐसे महापुरुषों के जीवन से बहुत कुछ सीखना चाहिए। सोनीपत से राजीव जैन पूर्व मीडिया प्रभारी मुख्यमंत्री हरियाणा सरकार ने कहा ऐसे महापुरुषों के जीवन से हमें बहुत कुछ सीखना चाहिए उन्होंने समाज को गुरुकुल वैदिक शिक्षा पद्धति दी जो हमारी भारतीय संस्कृति के लिए अति आवश्यक है मैं ऐसे महापुरुष को प्रणाम करता हूं और मैं निरंतर सत्यार्थ प्रकाश भी पढ़ता हूं। प्रांतीय अध्यक्ष स्वतंत्र कुकरेजा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। बहादुरगढ़ के जिला अध्यक्ष हरिओम दलाल ने कहा की आर्य समाज के लिए मैं सर्वदा तत्पर रहता हूं। सरदार गुरविंदर सिंह संधू (प्रधान बाजरा खाप पंचायत जींद) ने ध्वजारोहण करते हुए ओम के गुणगान की व्याख्या की। आर्य केन्द्रीय सभा करनाल के प्रधान आनंद सिंह आर्य ने कहा कि युवा ही देश की संस्कृति और व्यवहार मैं बदलाव ला सकते हैं आज पाश्चात्य संस्कृति का बढ़ावा निरंतर हो रहा है हमको इससे बचना चाहिए और सामान्य जीवन निर्वहन करना चाहिए। पतंजलि से ईश् आर्य हिसार ने बताया की योग की देन भी महर्षि दयानंद सरस्वती की है उन्होंने योगसूत्र से अपने जीवन को उज्जवल बनाकर समाज को मार्गदर्शन किया। प्रमुख रूप से सूर्य देव आर्य, विद्या सागर शास्त्री, योगेन्द्र शास्त्री, वीरेंद्र आर्य, सीताराम आर्य, डॉ. सौरभ आर्य यमुनानगर, वीरेंद्र योगाचार्य,अशोक शास्त्री, सुबे सिंह आर्य,स्वामी सच्चिदानंद,स्वामी रामवेश, स्वामी धर्म,अजय आर्य, रामकुमार आर्य,अरुण आर्य, पिंकी आर्य,अशोक जांगिड़,नसीब सिंह आर्य महेन्द्रगढ़ आदि उपस्थित थे।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

10 अप्रैल 1875 को मुम्बई में हुई थी प्रथम आर्य समाज की स्थापना

148 वाँ आर्य समाज स्थापना दिवस सम्पन्न

आर्य समाज को जन आंदोलन बनाना है–राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

रविवार, 09 अप्रैल 2023, दिल्ली देहात के गुरुकुल खेड़ा खुर्द के 78वें वार्षिकोत्सव पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया व साथ ही आर्य समाज का 148 वाँ स्थापना दिवस मनाया गया।उल्लेखनीय है कि 10 अप्रैल 1875 को प्रथम आर्य समाज की स्थापना महर्षि दयानन्द सरस्वती ने मुम्बई में की थी।कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य राजकुमार शास्त्री ने यज्ञ करवा कर किया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि आर्य समाज मानव निर्माण का कार्य करता है इसे जन आन्दोलन बनाने की आवश्यकता है।महर्षि दयानन्द समग्र क्रांति के अग्रदूत थे उन्होंने लोगों के सोचने समझने की दिशा ही बदल ड़ाली।आर्य समाज के आंदोलन ने ही हैदराबाद निजाम को झुकने को मजबूर किया और सरदार पटेल 500 रियासतों को इकट्ठा कर पाये।आज राष्ट्रीय विचारधारा से नई पीढ़ी को जोड़ने की आवश्यकता है जिससे अलगाववाद,आंतकवाद का युवा पीढ़ी मुकाबला कर सके।चरित्रवान संस्कारित युवा राष्ट्र की धरोहर है। वैदिक विद्वान आचार्य गवेन्द्र शास्त्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति कि रक्षा मे गुरुकुलों का महत्वपूर्ण योगदान है बाबा रामदेव जी जैसे महान पुरुष स्वदेशी व आयुर्वेद की सेवा कर रहे हैं।आज गुरुकुल शिक्षा पद्धति के प्रचार–प्रसार की अत्यन्त आवश्यकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान चौधरी ब्रह्मप्रकाश मान ने कि उन्होंने बताया की गुरुकुल मे 110 छात्र निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं साथ ही 200 गाय भी फल फूल रहीं हैं। आचार्य सुधांशु ने कार्यक्रम का संचालन किया। स्वामी विश्वानंद जी, आचार्य प्रणवीर शास्त्री, प्रतिभा सपरा आदि ने भी अपने विचार रखे। प्रमुख रूप से ओम प्रकाश सपरा (पूर्व मेट्रो पोलटन मैजिस्ट्रेट), माता शांति ठाकरान,धर्मपाल परमार, रामानंद आर्य, सुरेन्द्र गुप्ता, देव प्रकाश मान,अमित चौधरी, सुनील गोयल,रमा चावला, सोहन लाल मुखी आदि उपस्थित थे।

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का शिविर

राष्ट्रीय वीरांगना शिविर 3 जून से 11 जून 2023 तक आर्य बाल भारती पब्लिक स्कूल पानीपत में साध्वी उत्तमायति जी की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है।
इच्छुक बालिकाएं शीघ्र संपर्क करें– मृदुला चौहान, संचालिका, सम्पर्क– 9810702762

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा कोरोना काल में भी 526वां वेबिनार सम्पन्न

मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम पर गोष्ठी सम्पन्न

राम भारतीय संस्कृति और परंपरा के आधार हैं –डा राम चन्द्र (कुरुक्षेत्र)

श्रीराम के चरित्र को जीवन में अपनाये–आनन्द प्रकाश आर्य

बुधवार 29 मार्च 2023 ,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में रामनवमी के उपलक्ष्य में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 522 वां वेबिनार था। मुख्य वक्ता डा. राम चन्द्र (विभागाध्यक्ष कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय) ने राम नवमी की सभी को बधाई देते हुए कहा कि राम भारतीय संस्कृति और परंपरा के आधार हैं उनका संपूर्ण जीवन विश्व मानवता के इतिहास में मानवीय मूल्यों के सर्वोच्च पालनकर्ता के रूप में प्राप्त होता है इसलिए विश्व के इतिहास में केवल श्रीराम के साथ ही मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम शब्द का प्रयोग होता है श्री राम का व्यक्तित्व आम और खास सब को प्रभावित करता है उनके अपने जीवन में तो मर्यादा के पालन का आकर्षण है ही उनके साथ जुड़े भाई बंधु पत्नी पिता माता एवं अन्य सभी जन भी मर्यादा के साथ सम्बंध होते हैं यही उनके व्यक्तित्व की खूबी है चंदन के समीपवर्ती वृक्ष में भी खुशबू का संचार होता है ऐसे ही श्रीराम के निकटवर्ती सभी लोग भी मर्यादा के साथ में जुड़ जाते हैं जहां इतिहास भाई भाई के कलह और झगड़ों से भरा हुआ है वहां संपूर्ण साम्राज्य का परित्याग करके वनवास को स्वीकार लेना यह केवल राम का ही सामर्थ्य और उदाहरण है इसका दूसरा उदाहरण दुनियां में कहीं ओर नहीं मिलता राज्य अभिषेक एवं बनवास दोनों ही स्थितियों में चेहरे की चमक की समानता राम के ही जीवन में दिखाई देती है लंका पर विजय प्राप्त करने के बाद भी सोने की लंका का राज्य स्वीकार नहीं करते अपितु उसे विभीषण को सोंपकर अयोध्या की तरफ चल पड़ते हैं उनके समय में अयोध्या में किसी भी प्रकार का क्लेश और दुख नहीं था कोई भी अकाल मृत्यु का ग्रास नहीं होता था यही कारण है कि आज भी दुनियां में जब भी श्रेष्ठ राज्य की कल्पना होती है तो राम राज्य का नाम लिया जाता है। मुख्य अतिथि हापुड़ आर्य समाज के संरक्षक आनन्द प्रकाश आर्य ने कहा कि हमें मर्यादा पुरुषोत्तम राम के जीवन आदर्शों मान्यताओं यज्ञ–रक्षा और योग की जीवन पद्धति को अपनाना चाहिए।जैसे श्रीराम राजतिलक और वनगमन के समय समभाव रहे थे वैसे ही हमें भी जीवन की प्रत्येक परिस्थिति में स्थितप्रज्ञ होकर समभाव से रहना चाहिए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि श्रीराम गुणों की खान थे उनका चरित्र उत्तम कोटि का था उसे आत्मसात करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि आर्य समाज चरित्र की पूजा करता है,चित्र की नहीं। कैप्टन अशोक गुलाटी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि हमारी वर्तमान पीढ़ी को चारित्रिक और वैचारिक रूप से समृद्ध बनाने के लिए घर और परिवार में प्रतिदिन रामायण का पाठ किया जाना चाहिए। गायक रविन्द्र गुप्ता, प्रवीण आर्य, दीप्ति सपरा, कमला हंस, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा आदि ने मधुर भजनो द्वारा श्रीराम गुणगान किया जिसे सुनकर श्रोता झूम उठे।

डी.ए.वी के संस्थापक महात्मा हंसराज पर गोष्ठी सम्पन्न

श्वेत वस्त्रधारी सर्वस्व त्यागी थे महात्मा हंसराज –डॉ. नरेंद्र आहूजा विवेक

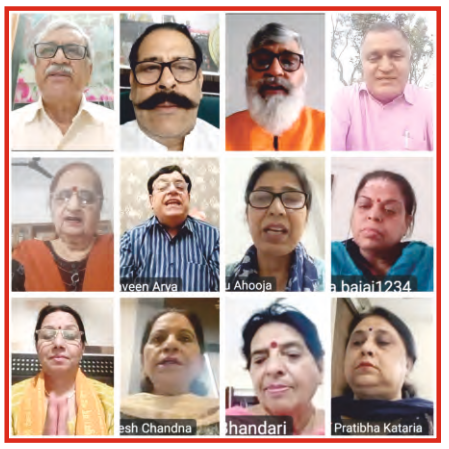

सोमवार 10 अप्रैल 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में डी.ए.वी के संस्थापक महात्मा हंसराज के जन्मदिन के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 525 वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता डॉ. नरेंद्र आहूजा विवेक (पूर्व राज्य ओषधि नियंत्रक हरियाणा) ने कहा कि महात्मा हंसराज श्वेत वस्त्र धारी सर्वस्व त्यागी सन्यासी थे। महात्मा हंसराज ने नवीन और प्राचीन को जोड़ कर शिक्षा के साथ संस्कार देने वाली आंदोलन के रूप में डी ए वी की शिक्षा प्रणाली देश को दी। स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरान्त राष्ट्र के नीति नियन्ताओं के समक्ष तीन प्रकार की शिक्षा प्रणालियां उपलब्ध थी प्रथम स्वामी श्रद्धानन्द द्वारा स्थापित गुरुकुलीय शिक्षा, महात्मा हंसराज द्वारा नवीन और प्राचीन के समन्वय से स्थापित डी.ए.वी शिक्षा और तीसरी हमारे राष्ट्र को मानसिक गुलाम बनाने के उद्देश्य से लार्ड मैकाले द्वारा दी गई मैकाले की शिक्षा व्यवस्था। लेकिन ना जाने क्यों हमारे राष्ट्र के उस समय के नेताओं ने मैकाले की शिक्षा प्रणाली को हमारे राष्ट्र के लिए चुन लिया और शायद इसलिए आज स्वतंत्रता प्राप्ति के 75 वर्षों के बाद भी हमारा राष्ट्र गम्भीर व्याधियों से ग्रस्त हो गया और जब भी किसी ने शिक्षा को उसकी पुरातन आर्ष भारतीय हिन्दू शिक्षा प्रणाली को अपनाने का प्रयास किया तो उसे शिक्षा का भगवाकरण बता कर खारिज कर दिया गया। मुख्य अतिथि ओम सपरा (पूर्व मेट्रो पोलेटिन मैजिस्ट्रेट) व अध्यक्ष ईश आर्य हिसार ने भी महात्मा हंसराज जी कि शिक्षाओं को जीवन में धारण करने का आह्वान किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि राष्ट्र की नीव शिक्षित समाज से ही मजबूत होगी।राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका अंजू आहूजा, ईश्वर देवी, जनक अरोड़ा, सरला बजाज, सुदेश आर्य, कमलेश चांदना, कुसुम भंडारी, प्रतिभा कटारिया, कौशल्या अरोड़ा आदि के मधुर भजन हुए।

तस्य वाचकः प्रणवः पर गोष्ठी सम्पन्न

ओम की उपासना करनी चाहिए –आचार्य विमलेश बंसल

शुक्रवार 7 अप्रैल 2023,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'तस्य वाचक प्रणवरू' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 524 वाँ वेबिनार था। वैदिक विद्वान आचार्या विमलेश बंसल दर्शनाचार्या ने कहा कि परमेश्वर एक निराकार सर्वव्यापक सर्वांतर्यामी सर्व शक्तिमान सर्वदेशीय सर्वत्र चेतन सत्ता है उसका बोधक नाम प्रणव है। क्योंकि प्रणव से तात्पर्य सर्वश्रेष्ठ सत्ता की उत्कृष्ट स्तुति करने से है।यह उत्कृष्ट स्तुति ओम् नाम से ही संभव है।क्योंकि यजुर्वेद के भाष्य में महर्षि दयानंद ने स्वयं लिखा है प्रणवैरू ओंकारैः इससे स्पष्ट हो जाता है कि प्रणव शब्द ओंकार के लिए कहा गया है।ओ३म् शब्द में अव धातु होती है अवतीति ओ३म् जिसका अर्थ रक्षा करने वाला होता है अर्थात् ईश्वर हम सबका सर्वरक्षक है। ईश्वर और उसके नाम का संबंध पिता पुत्र जैसा है। यह संबंध प्रवाह से अनादि है स्वरूप से नहीं।अतः हम सबको ईश्वर के अपने और मुख्य नाम के द्वारा ईश्वर की स्तुति,प्रार्थना और उपासना करनी चाहिए।क्योंकि ओ३म् नाम में ईश्वर के सभी गुण एक साथ आ जाते हैं जो उसके विराट स्वरूप अर्थात् विशाल अस्तित्व को दर्शाने में सक्षम हैं। अन्य नामों में एक एक गुण आता है जैसे – ईश्वर का एक नाम ब्रह्मा भी है किंतु ब्रह्मा नाम से सृष्टि कर्ता का ही बोध होता है पालन और संहार का नहीं पालन और संहार के लिए फिर विष्णु और महेश कहना होता है। किंतु ईश्वर तो एक होते हुए अनंत गुण कर्म स्वभाव वाला है जो कि ओ३म् में निहित हैं हमारे वेद सहित सभी शास्त्रों ने ओ३म् की ही महिमा का वर्णन किया है।अतः हमें उस परमेश्वर का ओम् नाम से ही जप करना चाहिए।तभी प्रकृष्ट और पूर्ण अंग समेटे सम्यक स्तुति, प्रार्थना,उपासना कर सकेंगे। मुख्य अतिथि डॉ. कल्पना रस्तोगी व अध्यक्ष नीलम गुप्ता ने ओम की महत्ता पर प्रकाश डाला और ओम का सिमरन करने की प्रेरणा दी। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि ओम ईश्वर का निज नाम है उसी की उपासना करनी योग्य है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा जब हम स्वांस लेते हैं तो सौ की ध्वनि होती है और छोड़ने पर हम की ध्वनि होती है यदि हम सौहम को दही की भांति बिलो दे तो सौ में से स हम में से ह हट जायेगा परमात्मा का मुख्य और निज नाम ओ३म निकल कर आएगा यह जप ऑटो चलता है बस इसी से जुड़ने की आवश्यकता है,यही योग है,उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन भी किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, रजनी चुघ, ईश्वर देवी, मृदुल अग्रवाल, जनक अरोड़ा, कुसुम भंडारी, कमलेश चांदना, कृष्णा गांधी, कौशल्या अरोड़ा, आशा शर्मा आदि के मधुर भजन हुए।

"बलिदान का पर्व वैसाखी" पर गोष्ठी सम्पन्न

गुरू गोविंदसिंह जी ने बलिदान की नयी परिभाषा लिखी –आर्य रविदेव गुप्ता

शुक्रवार 14 अप्रैल 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'बलिदान का पर्व वैसाखी' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया।यह करोना काल से 526 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता आर्य रविदेव गुप्ता ने कहा कि बैसाखी का संबंध जहां किसान कि फसलों की कटाई के होने से हर्ष उल्लास का पर्व है इसके साथ ही 13 अप्रैल जलियांवाला बाग हत्याकांड काण्ड से जुडे होने से बलिदान का पर्व भी है। पंजाब में विशेष रूप से यह बहुत उल्लास से मनाया जाता है।उन्होंने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ कि स्थापना कर हिंदू धर्म की रक्षा की उस समय प्रत्येक परिवार से एक बेटा खालसा फौज के लिए समर्पित किया गया जिससे मुगलों के अत्याचार का मुकाबला किया जा सके।पांच प्यारे उसी क्रम में चुने गए और कारवां बनता गया। आज समाज से जाति वाद प्रांतवाद का भेदभाव समाप्त करना ही गुरु गोविंद सिंह जी को सही अर्थों में श्रद्धांजलि होगीं। सिख समुदाय में सेवा भावना व लंगर लगाना विशेष गुण हैं जो प्रसंशा योग्य है।खालसा का अर्थ खालिस यानि शुद्ध व पवित्र है उसी तरह आर्य शब्द का अर्थ भी श्रेष्ठ है। मुख्य अतिथि विपिन मित्र गुप्ता व अध्यक्ष सत्य देव आर्य ने कहा कि राष्ट्र कि वर्तमान परिस्थिति फ़िर बलिदान चाहती है जिसके लिए देश धर्म कि रक्षा के लिए युवा शक्ति को आगे आना होगा।उन्होंने कहा कि गुरुओ के बलिदान की चर्चा तो होती है लेकिन उन्हें बलिदान क्यों देना पड़ा उसके कारण व जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। विशिष्ट अतिथि सरदार हरभजन सिंह देयोल ने गुरुओं के बलिदान को नमन किया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि हर त्यौहार कोई न कोई संदेश लेकर आता है उसे जीवन में आत्म सात करना चाहिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि वैसाखी पर्व जलियांवाला बाग अमृतसर से जुड़ा है,जनरल डायर ने निहथे लोगों पर गोलियां चलवाकर भून दिया था।हम उन महान बलिदानी भारतीयों को नमन करते है। उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका सुनीता अरोड़ा अमृतसर, ओम सपरा, जनक अरोड़ा, सुदर्शन चौधरी, विजय खुल्लर आदि के मधुर गीत हुए।

"मन जीते जग जीत" गोष्ठी सम्पन्न

'मन को सेवक बनाने से ही कल्याण होगा –आचार्य श्रुति सेतिया'

सोमवार 3 अप्रैल 2023, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'मन जीते जग जीत' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 523वाँ वेबिनार था। मुख्य वक्ता आचार्य श्रुति सेतिया ने कहा कि व्यक्ति मन को नियन्त्रित करने के बाद ही जग जीत सकता है। उन्होंने कहा कि ज़ो हमारा मन है वह सांसारिक वस्तुओं से प्यार किए बैठा है। आत्मा और परमात्मा के बीच में ज़ो दीवार बनी हुई है जो अवरोध, बाधा, रुकावट बनी हुई है वह केवल हमारे मन का परदा है। यदि हम अपने मन को जीत लेते हैं तो पूरे ब्रह्मांड को हम जीत लेते हैं। जब तक हम मन को वश में नहीं कर लेते तब तक परमात्मा से साक्षात्कार के योग्य नहीं हो सकते है। आत्मा और मन की गाँठ बँधी हुई है। हमें जो भी प्रयत्न करना है आत्मा और मन की गाँठ खोलने का करना है। इसलिए ऋषियों ने कहा है –अपने आप को पहचानो अपने आप को पहचानने का तात्पर्य यह है कि मन को अपने अनुकूल बनाना है। मन तो जड़ है। हम स्वयं ही मन द्वारा शासित होते हैं। हम मन के अधीन हो जाते हैं। मन हमारा स्वामी बन जाता है। हमारा कल्याण तब होगा जब हम मन को अपना सेवक बना लें। हमें अपनी आत्मा पर से स्थूल, सूक्ष्म और कारण शरीर के तीनों आवरण हटाने हैं और रजोगुण, तमोगुण और सत्वगुण से पार होना है। तब जाकर आपको अपने आप का पता लगेगा और वास्तविकता की पहचान होगी और हम अपने आपको जान पाएंगे। आज का मानव मन के बहकावे में रहता है। हमें जो भी प्रयास करना है जो भी उपाय सोचना है वह अपने मन को वश में करने का सोचना है। यदि हमें मन को वश में करना है तो मन के स्वभाव को अच्छी तरह समझना होगा और यह हम सबका अनुभव है कि मन एक स्थान पर नहीं टिकता है। हर क्षण नई वस्तु अच्छी लगने लगती है यह एक वस्तु से प्यार करता है और दूसरी वस्तु पहले से अच्छी दिखाई दे तो पहली को छोड़कर दूसरी वस्तुओं को पाने में दौड़ना प्रारंभ कर देता है। हमारी आत्मा सांसारिक भोगो में फँस कर मन के अधीन हो चुकी है और मन इन्द्रियों के भोगों पर मुग्ध हो चुका है और जो–जो कर्म मन करता है उसका परिणाम आत्मा को ही भुगतना पड़ता है। जब तक आत्मा मन का साथ नहीं छोड़ेगी कभी अपने वास्तविक स्वरूप को पहचानने के योग्य नहीं हो सकेगी। आत्मा मन को जीत लेने के पश्चात पिछले कुकर्मों, कुवासनाओं से अपने आपको मुक्त कर लेती है तो जग को जीतने में कुछ भी देर नहीं लगती। मुख्य अतिथि अनिता रेलन व रजनी चुघ ने भी मन को जीतने के उपाय बताए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि सभी महान व्यक्ति जीवन में तभी आगे बढ़ पाए उन्होंने मन इंद्रियों को काबु किया। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका प्रवीना ठक्कर, कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा ईश्वर देवी, कमला हंस, संतोष सांची, कमलेश चांदना ,नरेंद्र आर्य सुमन, नीलम गुप्ता, सावित्री गुप्ता 93 वर्षीय, आदर्श सहगल आदि ने मधुर भजन सुनाये।

आर्य समाज सेवी भूदेव आर्य का अभिनंदन

आर्य समाज अशोक विहार फेज 1,दिल्ली व श्री राम कृष्ण मंदिर के संयुक्त तत्वावधान में श्री राम नवमी के उपलक्ष्य में सी डी पार्क में 11 कुंडीये यज्ञ का आयोजन आचार्य नरेंद्र मैत्रेय के ब्रह्मत्व में किया गया। आचार्य सतीश शास्त्री संयोजक रहे। इस अवसर पर आर्य समाज वजीरपुर जे जे कॉलोनी के मंत्री श्री भूदेव आर्य 95 वर्षीय का अभिनंदन करते अनिल आर्य, पिंकी आर्य, डॉ. महेन्द्र नागपाल, प्रधान प्रेम सचदेवा, मंत्री जीवन लाल आर्य, दिल्ली सभा के मंत्री विनय आर्य आदि। युवा उद्घोष की और से हार्दिक बधाई।

आर्य समाज मॉडल बस्ती का उत्सव संपन्न

रविवार 2 अप्रैल 2023, आर्य समाज मॉडल बस्ती दिल्ली का वार्षिकोत्सव संपन्न हुआ स्वामी आर्य वेश जी के प्रवचन हुए। परिषद के अध्यक्ष अनिल आर्य संबोधित करते हुए। मंत्री आदर्श आहूजा ने कुशल संचालन किया व प्रधान आलोक कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, ओम सपरा, कीर्ति शर्मा, वेद प्रकाश गोगिया, प्रदीप गोगिया, जय प्रकाश शास्त्री आदि उपस्थित थे।

ओ३म्

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तर प्रदेश

के तत्वाधान में

159 वां पं. गुरुदत्त विद्यार्थी जन्मोत्सव

बुधवार 26 अप्रैल 2023, अपरान्ह 3.00 से 6.15 बजे तक

स्थानः आर्य समाज पुराना गांधी नगर, गाजियाबाद

–: कार्यक्रम :–

मुख्य अतिथि– ठाकुर विक्रम सिंह जी
(संस्थापक अध्यक्ष राष्ट्र निर्माण पार्टी)
– श्री अनिल आर्य
(राष्ट्रीय अध्यक्ष, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद)

सान्निध्य– श्री श्रद्धानन्द शर्मा व श्री ओम प्रकाश आर्य

आशीर्वाद – श्री माया प्रकाश त्यागी जी
(कोषाध्यक्ष, सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा)

अध्यक्षता – श्री आनन्द प्रकाश आर्य
(प्रान्तीय अध्यक्ष, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद, उत्तर प्रदेश)

ध्वजारोहण – श्री देवेन्द्र आर्य 'आर्य बंधु'

विशिष्ट अतिथि – श्री सत्यवीर चौधरी जी
(प्रधान, आर्य केन्द्रीय सभा गाजियाबाद)

मुख्य वक्ता – आचार्य ब्रह्मदेव वेदालंकार जी
आचार्य गवेन्द्र शास्त्री जी

मधुर भजन – श्री ओमपाल शास्त्री, पिंकी आर्या, योगी रामप्रकाश गुप्ता

–: गरिमामयी उपस्थिति :–

डॉ. राजकुमार आर्य	श्री ज्ञानेन्द्र सिंह आर्य	डॉ. वीरेन्द्रनाथ सरदाना
कैप्टन अशोक गुलाटी	श्री वी.के. धामा	श्री तेजपाल सिंह आर्य
श्री प्रमोद चौधरी	श्री यशोवीर आर्य	श्री धर्मपाल आर्य, दिल्ली
श्री वेद प्रकाश आर्य	श्रीमती ममता चौहान	श्री विनोद त्यागी
श्री अश्विनी बत्रा	श्री नरेन्द्र पांचाल	श्री गौरव सिंह आर्य
डॉ. प्रतिभा सिंघल	श्री सुभाष गर्ग	श्री रमेश सहगल
श्री अरविंद गर्ग	श्री वीर सिंह चौहान	श्री प्रेम शर्मा
श्री ब्रह्मऋषि शर्मा	श्री वेदप्रकाश सिंह	श्री टी.पी. अग्रवाल
श्री नित्य प्रिय आर्य	श्री आनन्द प्रकाश गुप्ता	श्री पवन आर्य, हापुड़
श्री प्रेमपाल सिंह आर्य	श्री राजेश्वर शर्मा	श्री अशोक आर्य पिलखुवा
श्री जगबीर चौधरी	श्री सतपाल आर्य	मास्टर बिजेन्द्र आर्य
श्री अनिल आर्य	श्री विकास आर्य	श्री मुकेश पंवार

ऋषि लंगर : शाम 6.30 बजे : प्रबन्धक–त्रिलोक आर्य, राहुल आर्य

आप सपरिवार सादर आमंत्रित हैं

: निवेदक :

प्रवीण आर्य संयोजक-9911404423	रामकुमारसिंह आर्य प्रांतीय प्रभारी	कृष्ण कुमार यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष	यज्ञवीर चौहान जिला अध्यक्ष
सुरेश आर्य जिला मंत्री	अजय पथिक संगठन मंत्री	देवेन्द्र गुप्ता प्रान्तीय कोषाध्यक्ष	संजीव ढाका प्रान्तीय मंत्री

–:: आर्य समाज गांधी नगर गाजियाबाद ::–

डॉ. गोपेश अग्रवाल प्रधान	वेद व्यास महामंत्री	देवेन्द्र मेहता मंत्री	वेद प्रकाश वोहरा संगठन मंत्री	ध्रुव कुमार भार्गव कोषाध्यक्ष

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 **मो.** : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970